एकात्म भारत के लिए
सुरेंद्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी
गुरुवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

31-10- 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

स्व. वाकणकर के जन्म शताब्दी वर्ष के लिए संस्कार भारती की बैठक

आगरा

कला एवं साहित्य को समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की बैठक अन्नक्षेत्र के सभागार में हुई। संस्कार भारती के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र अत्री ने संस्था के कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए भविष्य की योजना पर चर्चा की। प्रदेश नाट्य विधा प्रमुख डॉ. पवन आर्य ने प्रांत कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णयों का ब्योरा दिया।

संस्कार भारती की ओर से यह वर्ष जाने माने इतिहासकार डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर के जन्म शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी के चलते देश भर में सेमिनार, साहित्यिक गोष्ठियों, साहित्यिक-यात्राएं, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी तथा चित्रकला प्रतियोगिता आदि गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

इसी तरह के कार्यक्रम जींद तथा उसके आसपास के प्राचीन स्थलों पर किए जा सकते हैं। जिला इकाई की कार्यकारिणी ने निर्णय लिया कि जींद से लेकर राखीगढ़ी गांव तक मोटरसाइकिल यात्रा निकाली जाएगी और राखीगढ़ी गांव में वाकणकर जी के जीवन से संबंधित सेमिनार आयोजित किया जाएगा। ृषद्वती नदी से संबद्ध ईगराह गांव में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक यात्रा की जाएगी।

जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में वाकणकर जी से संबंधित कार्यक्रम आयोजित जाएंगे। बैठक में जिला मंत्री जितेंद्र नाथ, सर्वविधा प्रमुख दीपक कौशिक, साहित्यकार रामफल, कवयित्री मंजू मानव, महेश सिगला, डॉ. हनीफ खान, दीपक भारतीय आदि पदाधिकारियों ने शिरकत की।आगरा और अन्य जगहों से मंगाई जाएंगी।

अयोध्या पर निर्णय से पहले संघ की तैयारी

स्थगित किए कईं कार्यक्रम, दिल्ली में हो रही हरिद्वार में होने वाली बैठक

नई दिल्ली

दीपावली के बाद देश में हर किसी को राम मंदिर पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी निर्णय को देखते हुए तैयारी की है। दिल्ली में संघ के प्रचारक वर्ग की बैठक हो रही है। यह बैठक पहले हरिद्वार में होने वाली थी। संघ ने सुप्रीम कोर्ट के आने वाले फैसले को सभी पक्षों से खुले मन से स्वीकार करने की अपील की है।

संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख अरुण कुमार ने कहा कि कुछ ही दिनों में इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने की संभावना है। निर्णय जो भी आये, उसे सभी को खुले मन से स्वीकार करना चाहिए। निर्णय के पश्चात देशभर में वातावरण सौहार्दपूर्ण रहे। अयोध्या मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय के संभावित निर्णय को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कार्यक्रमों और बैठकों के स्थगन के साथ ही प्रचारकों के दौरे भी स्थगित करने का फैसला किया है। सभी प्रचारकों को 17 नवंबर तक अपने-अपने निर्धारित केंद्रों पर रुकने को कहा गया है।

लखनऊ में 17 नवंबर से प्रस्तावित 'एकल कुंभ', अयोध्या में 4 नवंबर से आयोजित दुर्गा वाहिनी के शिविर और प्रदेश में विहिप के त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रमों को स्थगित करने के बाद अब हरिद्वार में 31 अक्तूबर से 4 नवंबर तक देश भर के संघ से जुड़े सभी संगठनों में काम करने वाले प्रचारकों की प्रस्तावित बैठक भी स्थगित कर इसे दिल्ली में किया जा रहा है।

दिल्ली में आयोजित प्रचारक वर्ग की बैठक पहले 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक हरिद्वार में होनी थी। लेकिन कतिपय कारणों से उसे स्थगित कर दिया गया और फिर अचानक दिल्ली में बैठक शुरू हो गई। इस बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत, सरकार्यवाह सुरेश भैयाजी जोशी सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी प्रमुख रूप से भाग ले रहे

हैं। पहले दिन इस बैठक स्थल पर भाजपा के कार्यवाहक अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पहुंचे थे लेकिन उन्होंने इस संबंध में मीडिया से कोई चर्चा नहीं की।

संघ की इस तरह की बैठक प्रत्येक पांच वर्ष पर होती है। संघ के सूत्रों का कहना है कि प्रचारकों से कहा गया है कि वे उन्हीं स्थानों पर रुकें जहां संगठन की तरफ से उनका केंद्र निर्धारित किया गया है। बहुत जरूरी होने पर और यदि संगठन निर्देश देता है तभी अपना केंद्र छोड़ें।

इसके पहले अयोध्या के बाबरी मस्जिद-राम मंदिर विवाद में सुप्रीम कोर्ट के संभावित फैसले से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बुधवार को देशवासियों से खुले मन से अदालती निर्णय को स्वीकार करने की अपील की है। आरएसएस के अधिकारिक ट्विटर हैंडल से इस बारे में ट्वीट भी किए गए। आरएसएस ने कहा कि राम मंदिर पर कोर्ट का फैसला चाहे जो हो, सभी खुले मन से उसे स्वीकार करें। आरएसएस ने यह अपील बुधवार को दिल्ली में शुरू हुई अपने प्रचारक वर्ग की बैठक से पहले किया है।

अरुण कुमार ने यह कहा

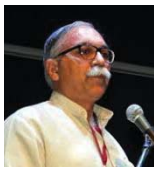

इस बैठक के बीच ही आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख अरुण कुमार की तरफ से जारी एक सूचना में कहा गया कि "आगामी दिनों में श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के केस पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आने की संभावना है। निर्णय जो भी आए, उसे सभी को खुले मन से स्वीकार करना चाहिए। निर्णय के पश्चात देश भर में वातावरण सौहार्द्रपूर्ण रहे, यह सबका दायित्व है। इस विषय पर भी बैठक में विचार हो रहा है।"

कश्मीर दौरे पर आए ईयू सांसदों ने कहा धारा 370 भारत का आंतरिक मामला

लाहौर

जम्मू कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर आए यूरोपीय संघ (ईयू) के सांसदों ने बुधवार को कहा कि अनुच्छेद 370 भारत का आंतरिक मामला है और वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वह देश के साथ खड़े हैं। घाटी के दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन यूरोपीय संघ के 23 सांसदों के शिष्टमंडल ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

उन्होंने आतंकवादियों द्वारा पश्चिम बंगाल के छह मजदूरों की हत्या किए जाने की घटना की निंदा भी की। फ्रांस के हेनरी मेलोसे ने कहा, 'अनुच्छेद 370 की बात करें तो यह भारत का आंतरिक मामला है। हमारी चिंता का विषय आतंकवाद है जो दुनियाभर में परेशानी का सबब है और इससे लड़ाई में हमें भारत के साथ खड़ा होना चाहिए। आतंकवादियों ने छह निर्दोष मजदूरों की हत्या की, यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं।'

उन्होंने कहा कि दल ने सेना और पुलिस से बात की है। युवा कार्यकर्ताओं से भी उनकी बातचीत हुई तथा शांति कायम करने के विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

उन्होंने कहा, 'सबसे पहले मेरे विचार में यह यात्रा बहुत अधिक महत्व की है। कश्मीर में आतंकवाद की स्थिति बहुत गंभीर है और यह एक वैश्विक प्रश्न है. पुलिस और सेना ने बताया कि कैसे पाकिस्तान से आतंकवादी भेजे जाते हैं। अपने हालात के कारण कश्मीर पिछड़ा हुआ है. हमें लोगों से जो संदेश मिला वह यह था कि उम्मीद है कि स्थिति में बदलाव से हालात भी बदलेंगे।'